UN – 039

III Semester B.B.M./B.H.M. Examination, November/December 2015
(CBCS) (Fresh) (2015-16 and Onwards)
LANGUAGE HINDI – III
Natak, Pathra Aur Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक शब्द**, या **वाक्या** में लिखिए : **(1×10=10)**

1) हरिश्चन्द्र की भूमिका किसने निभाई ?
2) नाटक में गाँव का भूतपूर्व जमींदार और आज का नेता कौन है ?
3) हरिश्चन्द्र के पुत्र का नाम क्या था ?
4) एक सत्य हरिश्चन्द्र नाटक के नाटककार का नाम लिखिए।
5) मिस पदमा किसकी सेक्रेट्री है ?
6) भावना के डंडे से किसे हांकना चाहिए ?
7) डोम ने हरिश्चन्द्र को कितनी स्वर्ण मुद्राओं में खरीदा ?
8) पतुरिया का नाम क्या था ?
9) किस राजा के सौ पुत्र नष्ट हो गए थे ?
10) रोहित की हत्या किसने की ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **(6×2=12)**

1) यह सच है, मैं जनता जनार्धन का हूँ , पर मजबूर हूँ , मेरे पास वक्त नहीं है।
2) दाता से ही धर्म बनता है रोहित। धर्म के रहस्य को समझने के लिए धैर्य चाहिए।
3) बात यह है कि सत्य तो कोई अपने जीवन में जी नहीं पाता। सत्य के लिए उसे इम्तिहान देना पड़ता है।

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : **(12×1=12)**

1) एक सत्य हरिश्चन्द्र में वर्णित शूद्रों की दयनीय स्थिति का वर्णन कीजिए।
2) एक सत्य हरिश्चन्द्र नाटक का कथासार लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

IV. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : (6×1=6)

1) पदमा

2) हरिश्चन्द्र

V. पत्र लेखन (**कोई 2**) : (10×2=20)

1) राज्य में हिन्दी की प्रगति का विवरण देते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अवर सचिव के नाम शिक्षा संचालक कर्नाटक राज्या की ओर से एक सामान्य सरकारी पत्र प्रेषित कीजिए।

2) उपसचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से सभी राज्य मंत्रालयों के मुख्य सचिवों को एक परिपत्र लिखिए, जिसमें आतंकवाद को रोकने के लिए ठोस उपाय करने की सूचना हो।

3) आयुक्त, पुलीस विभाग, कर्नाटक सरकार, बेंगलोर की ओर से राज्य की सभी पुलीस चौकियों को एक कार्यालय आदेश प्रेषित कीजित, जिसमें अन्य राज्यों से आनेवाले छात्रों का विवरण संग्रह करने का निर्देश हो।

VI. उचित शीर्षक देते हुए संक्षिप्तीकरण कीजिए : (10×1=10)

हर एक वस्तु के दो पहलू होते हैं – अच्छे और बुरे, लाभ या हानि। विज्ञापन से लाभ भी है, हानि भी है। समाज विरोधी तत्व विज्ञापनों द्वारा लोगों को धोखा देकर संपत्ति कमाते हैं। मासूम लोग आसानी से इस जाल में फंस जाते हैं। आजकल के कुछ स्वार्थी राजनीतिक दल स्मारिकाएँ प्रकाशित करके विज्ञापनों के नाम पर संपत्ति हड़प लेते हैं। इस संपत्ति का उपयोग वे चुनाव में करते हैं। अन्य भ्रष्ट तरीकों को साधनों के रूप में अपनाते हैं। इससे सरकार की आय पर मार पड़ती है। यह धन आयकर से मुक्त माना जाता है। विज्ञापन के बिना मानव जीवन नीरस लगता है। विज्ञापन हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। वर्तमान अर्थ व्यवस्था में विज्ञापन के साधन महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। सही ढ़ंग से विज्ञापनों का प्रयोग करना चाहिए।